DEPOSIT INSURANCE AND CREDIT GUARANTEE CORPORATION

RECOVERY MANAGEMENT CELL

Guidelines to Liquidators on

Submission of Quarterly Statements

In IASS Portal

परिसमापक हेतु दिशानिर्देश – आईएएसएस मॉड्यूल	Guidelines to Liquidator – IASS Module
इन दिशानिर्देशों का उद्देश्य है परिसमापक पोर्टल में डीआईसीजीसी को भुगतान किए जाने के कार्य प्रवाह के संबंध में परिसमापकों को निर्देश देना और दस्तावेज़/ विवरणियों/ रसीदों सहित त्रैमासिक विवरणी 1, 2 तथा 3 अपलोड करने में उनको सक्षम बनाना।	The Purpose of this Guidelines is to guide the liquidators about the functional flow of Liquidator portal for repayment to DICGC and to enable them upload the Quarterly Statements 1, 2 & 3 along with the documents/statement/receipts.
परिसमापक पोर्टल स्क्रीन	**Liquidator Portal screen**
• डीआईसीजीसी द्वारा परिसमापक के पंजीकरण के बाद परिसमापक को उसके पंजीकृत ई-मेल आईडी पर ई-मेल प्राप्त होगा जिसमें आईडी और पासवर्ड सूचित किया जाएगा।	• Once DICGC will register the Liquidator, an e-mail will be received by the liquidator on registered mail id mentioning ID and password.
• परिसमापक तब सूचित आईडी और पासवर्ड द्वारा परिसमापक पोर्टल स्क्रीन में लॉग-इन/ प्रवेश कर सकेगा।	• Using the same id and password, liquidator will login to Liquidator Portal Screen.
• परिसमापक द्वारा लॉग-इन/ प्रवेश किए जाने के बाद अनुप्रयोग पासवर्ड बदलने का संकेत देगा। पासवर्ड बदला जाना अनिवार्य है।	• Once liquidator logs in, the application will prompt for password change. Change of password is mandatory.
• पासवर्ड बदलने के बाद अनुप्रयोग परिसमापक को नए पासवर्ड से पुनः लॉग-इन/ प्रविष्टि का निर्देश देगा।	• After changing the password, application redirects liquidator to login with a new password.
परिसमापक अपने बैंक खाते का विवरण देख भी सकेगा और साथ ही अपलोड व सेव भी कर सकेगा। यह विवरण 'पंजीकरण/ रजिस्ट्रेशन' टैब में दिखाई देगा।	Liquidator will be able to see the details as well as upload and save his bank account details. Which will be appear under 'Registration' tab. If at the time of submission of claim, the liquidator registration has been done by DICGC and an email has been sent to the liquidator's registered email address mentioning the URL of the liquidator portal,

अगर दावा प्रस्तुति के समय डीआईसीजीसी द्वारा परिसमापक का पंजीकरण किया गया है और उसके बाद परिसमापक के पंजीकृत ई-मेल पते पर परिसमापक के पोर्टल का यूआरएल, उसका यूसरनेम और पासवर्ड भेजा गया है तो वसूली मॉड्यूल के लिए भी उक्त लॉग-इन विवरण मान्य होगा।

वसूली से संबंधित गतिविधियां नीचे सूचीबद्ध की गई हैं जो बैंकों के परिसमापकों द्वारा, उनको उपलब्ध कराए गए आईएएसएस मॉड्यूल में की जानी हैं।

1. त्रैमासिक विवरणी 1 की प्रस्तुति,

2. त्रैमासिक विवरणी 2 की प्रस्तुति,

3. त्रैमासिक विवरणी 3 की प्रस्तुति,

4. प्राप्त/ वसूली गई निधि का विप्रेषण

username and password, then the same login credentials are valid for recovery module usage as well.

Listed below are the activities related to recovery which the liquidator of the banks are to do in IASS module made available to them.

1. Submission of Quarterly Statement 1,

2. Submission of Quarterly Statement 2,

3. Submission of Quarterly Statement 3, and

4. Remittance of realized funds.

1. त्रैमासिक विवरणियों की प्रस्तुति :

त्रैमासिक विवरणी के प्रेषण हेतु परिसमापक को ई-मेल पर अनुस्मारक भेजा जाएगा। परिसमापक को अपने मौजूदा यूसरनेम और पासवर्ड से लॉग-इन करना होगा। परिसमापक की स्क्रीन पर "वसूली" टैब के अंतर्गत त्रैमासिक विवरणी 1, 2 और 3 की प्रस्तुति के लिए मेन्यू उपलब्ध होगा। कृपया नोट करें कि विवरणी 1 और 2 में आंकड़े हजार रुपए के रूप में दर्शाए जाने हैं जबकि विवरणी 3 में यह लाख रुपए के रूप में दर्शाए जाने हैं। डाटा सेव हो जाने और प्रस्तुत हो जाने के बाद पुष्टि का एक संकेत दिखाई देगा और फिर विवरणी प्रमाणीकरण हेतु डीआईसीजीसी को उपलब्ध हो जाएगी।

1. Submission of Quarterly statements:

Reminder for submission of Quarterly Statements will be sent on email to the liquidator. The liquidator is to login with the existing username and password. On the liquidator screen, under the tab "recoveries" the menu for submitting the data for the quarterly statements 1, 2 and 3. It is to be noted that in Quarterly Statements 1 and 2 the figures are to be provided as Rupees in thousands, whereas in Statement 3 they are in Lakhs. Once the data is saved and submitted, a confirmation alert will show and the statement will be accessible to DICGC for validation. Once the statement is validated and

डीआईसीजीसी द्वारा प्रमाणीकरण और विवरणी सही पाए जाने पर स्वीकृति का संकेत दिखाई देगा। किसी त्रुटि के मामले में डीआईसीजीसी द्वारा विवरणी को रद्द कर दिया जाएगा और रद्द किए जाने के कारणों सहित अस्वीकृति का संकेत दिखाई देगा। परिसमापक को फिर आवश्यक सुधार करके पुनः विवरणी प्रस्तुत करनी होगी।	found correct by DICGC, the status will be approved. In case of any errors, the statement will be rejected by DICGC and the status will be shown as rejected along with the reason for rejection. The liquidator is required to make the required corrections and resubmit the statement.
2. प्राप्त/ वसूली गई निधि का विप्रेषण : परिसमापक द्वारा प्रस्तुत त्रैमासिक विवरणियों के आधार पर डीआईसीजीसी यह सुनिश्चित करेगा कि परिसमापक द्वारा वसूली गई निधि (यदि कोई हो) का डीआईसीजीसी को विप्रेषण किया जाना है। इस संबंध में परिसमापक के पंजीकृत ई-मेल पते पर एक ई-मेल प्रेषित किया जाएगा। परिसमापक को उसके मौजूदा यूसरनेम और पासवर्ड से लॉग-इन करना होगा। उक्त कार्य हेतु परिसमापक की स्क्रीन पर "वसूली" टैब के अंतर्गत "प्राप्त/ वसूली गई निधि का विप्रेषण" का मेन्यू उपलब्ध होगा। सभी अनिवार्य फील्ड अर्थात बैंक का नाम, संस्था कोड, विप्रेषण राशि, भुगतान का कारण (ड्रॉप डाउन मेन्यू में से 'प्राप्त/ वसूली गई निधि का विप्रेषण' के चयन द्वारा), भुगतान बैंक, भुगतान का माध्यम (एनईएफटी/ आरटीजीएस) और अंतरण की यूटीआर संख्या, को भरा जाना है। भुगतान की प्राप्ति की रसीद की 3 एमबी आकार से कम की एक पीडीएफ फाईल अपलोड करनी होगी।	**2. Remittance of realized funds:** Based on the quarterly statements submitted by the liquidator, DICGC will ascertain that the funds realized by the liquidator (if any) are to be remitted to DICGC. An email in this regard will be sent to the registered email id of the liquidator. The liquidator is to login with the existing username and password. On the liquidator screen, under the tab "recoveries" the menu for remittance of realized funds is available for the purpose. All mandatory fields like name of bank, institution code, remittance amount, purpose of payment (to be chosen from drop down menu as 'Remittance of Realized Funds'), payment bank, payment mode (NEFT / RTGS) and the UTR number of the transaction need to be filled. A pdf file of less than 3MB of the receipt of payment is to be uploaded. The liquidator has to save and submit the form. Then it will be accessible to DICGC for

परिसमापक द्वारा फॉर्म को सेव और प्रस्तुत किया जाना है। उसके बाद वह प्रमाणीकरण हेतु डीआईसीजीसी को उपलब्ध होगा। डीआईसीजीसी द्वारा प्रमाणीकरण और फॉर्म सही पाए जाने पर स्वीकृति का संकेत दिखाई देगा। किसी त्रुटि के मामले में डीआईसीजीसी द्वारा फॉर्म को रद्द कर दिया जाएगा और रद्द किए जाने के कारणों सहित अस्वीकृति का संकेत दिखाई देगा। परिसमापक को फिर आवश्यक सुधार करके पुनः फॉर्म प्रस्तुत करना होगा। उपयोगकर्ता हेतु प्रक्रिया के विभिन्न चरण सहित विस्तृत नियमावली www.dicgc.org.in वेबसाईट पर उपलब्ध है।	validation. Once the form is validated and found correct by DICGC, the status will be approved. In case of any errors, the statement will be rejected by DICGC and the status will be shown as rejected along with the reason for rejection. The liquidator is required to make the required corrections and resubmit. The detailed user manual with navigation steps is available on the website www.dicgc.org.in.
3. किसी भी सवाल के लिए कृप्या iassclaimsrecoverydpt@rbi.org.in पर ई मेल भेजें।	3. In case of any queries, please send an e-mail to iassclaimsrecoverydpt@rbi.org.in.

1   Liquidator Portal login

Liquidator registration will be done by CSD (Claim settlement department) of DICGC. On successful completion of Liquidator registration, an Email will be received by the liquidator from DICGC CSD department mentioning the URL of the Liquidator portal, unique User id and password.

1.1   Liquidator portal Login page:

Navigation Steps:

- Liquidator has to enter the username, password received through mail notification from DICGC after Liquidator registration.
- Enter the captcha image shown in the screen.
- Click on the login button which navigates to the Home screen.
- Reset button to clear the entered field data.
- Once after logging in, it's mandatory to change password.

1.2 Liquidator Screen After log in

Click on the Recoveries tab .Recoveries tab will have following menus.

- Liquidator Quarterly statement 1
- Liquidator Quarterly statement 2
- Liquidator Quarterly statement 3
- Liquidator remittance of realized fund

2 Quarterly statement 1

2.1 Quarterly Statement 1

Recoveries>Liquidator Quarterly Statement 1

After Clicking on Liquidator Quarterly statement tab following screen will open.

2.2 Recoveries>Liquidator Quarterly Statement 1>Add New Statement

Assets

(Amounts in thousands of Rupees)

7)		Excess of receipts over disbursements :	10,000.00
8)		Advances (8a+8b+8c) :	18000.00
	a)	Secured :	7,000.00
	b)	Unsecured :	10,000.00
	c)	Decreed :	1,000.00
9)		Other Assets (9a+9b) :	11000.00
	a)	Investments in Government & other Trustee securities :	1,000.00
	b)	Others :	10000.00

	Assets Name	Assets Amount
Add	hgh	10,000.00

10)		Assets acquired in satisfaction of claims :	10,000.00
11)		Losses :	1,000.00
12)		Total Assets ((7+8+9+10) + (11)) :	50000.00

Remarks :

[Update] [Submit] [Cancel]

2.3   Field wise explanation:

1.   Bank

This is a drop down field .Bank for which liquidator has been registered will be visible in the drop down.This is a mandatory field.Once bank is selected, following fields will auto populate.

2.   Institution code-Bank alphanumeric institution code
- Registration No-Registation no of bank
- State & Address-State & Address of the bank
- Liquidator -Liquidator name
- Submission date-Date at which form will be submitted to DICGC.It will auto populate.
- Year- Drop down field for selecting year for which quarterly statement has to be submitted. This is a mandatory field.
- Period- There will be four quarters in the drop down
  - 1 April-June
  - 2 July-August
  - 3 September-November
  - 4 December-February
  - The quarter for which statement has to be submitted should be chosen   from drop down. This is a mandatory field.

- Quarter ending-Last date of Quarter chosen from Period field will Auto populate.

3. Balance due to the Deposit Insurance & Credit Guarantee Corporation-Data entry field.
4. Balance due to the depositors-data entry field.
5. Other liabilities:

> Sum of all liabilities mentioned in the column.
> ADD button: This will add to one more row to mention liabilities if more than one.
> Remove Button: This will remove the added row
> Liabilities name: This is a data entry field with alphabetical validation.
> Liabilities amount: Numeric data entry field. Cannot be negative.
> > Mandatory if liabilities name is entered.

6. Total liabilities:-Sum of field 3, 4, 5.This will auto populate.

Assets:

7. Excess of receipts over disbursements-data entry field

8. Advances- sum of 8a+8b+8c.This field will auto populate

   a) Secured-data entry field .Cannot be negative

   b) Unsecured- data entry field .Cannot be negative

   c) Decreed- data entry field. Cannot be negative

9. Other assets=Sum of 9a +9b.This will auto populate.

9a) Investments in Government & other Trustee securities-: Data entry field.
> Cannot be negative.

9b) Others:

> Sum of all assets mentioned in the column.
> - ADD button: This will add to one more row to mention assets if more than one.
> - Remove Button: This will remove the added row
> - Asset name: This is a data entry field with alphabetical validation.
> - Asset amount: Numeric data entry field. Cannot be negative. Mandatory if asset name is entered.

10. Assets acquired in satisfaction of claims- Data entry field. Cannot be negative

11. Losses- data entry field. Cannot be negative

12. Total assets - (7+8+9+10)-11.This will auto populate

13. Remarks- Data entry field with alphanumeric validation. This is not a mandatory field.

- ➢ Save: Saves the page & displays success confirmation alert message if total assets and liabilities match.
- ➢ Submit: Submits the Quarterly statement 1 to DICGC & displays confirmation alert pop up. If any of the
- ➢ Mandatory fields will be missing then it gives indication alert pop up to fill the fields.
- ➢ Cancel: It will not save any data and will close the page.

2.4   Status of Quarterly statement 1 in portal:

- ➢ Saved: It indicates that Quarterly statement 1 has been saved

    Click View button to view saved form. Click edit button to open the form

    And perform required steps.

- ➢ Send to maker: It indicates Quarterly statement1 has been submitted by the portal and is in the queue of RMC maker of DICGC.
- ➢ Send to Checker: It indicates that Quarterly statement 1 has been directed to RMC checker by the maker of RMC department of DICGC.
- ➢ Approved: If RMC department approves the Quarterly statement 1, status will reflect as 'approved'.

Please see below screenshots:

2.5   Rejection by RMC (DICGC)

If the Quarterly statement 1 submitted by the Liquidator from portal is rejected by DICGC then Quarterly statement 1 will be visible in the queue with the status rejected along with the rejected reason. Please see the screenshot below.

Once the Quarterly statement 1 is rejected, liquidator can view by clicking on view button to see the form as well as rejected reason or click on edit button to open the form. Here Quarterly statement 1 can be updated /Saved or send to checker again.

Upon updating/submitting, current status of the statement can always be seen in the queue.

3 Quarterly Statement 2

3.1 Quarterly statement of Realization and disbursements

Recoveries>Liquidator Quarterly Statement 2

After Clicking on Liquidator Quarterly statement 2 tab following screen will open

3.2 Recoveries>Liquidator Quarterly Statement 2>Add New Statement 2

Realisations

(Amounts in Thousands of Rupees)

1)		Balance brought forward :	
2)		Realisation out of (2a+2b):	31000.00
	a)	Advances	10,000.00
	b)	Other Assets (i+ii+iii)	21000.00
	i)	Sale of Investments	10,000.00
	ii)	Tangible Assets	1,000.00
	iii)	Rent, Interest etc	10,000.00
3)		Amount received from the DICGC in terms of Section 17 of DICGC Act:	10,000.00
4)		Other Receipts	200.00

Add
Remove

Realisation Name	Realisation Amount
ABC	100.00
DEF	100.00

Total Realisations Rs (1+2+3+4) : 41200.00

Disbursements

(Amounts in Thousands of Rupees)

1)		Payment to Depositors in terms of Section 17 of the DICGC Act :	12,000.00
2)		Expenses incurred for the realisation of advances & other assets :	1,200.00
3)		Other payments (If Any) (3a+3b) :	20200.00
	a)	To the DICGC :	10,000.00
	b)	Other payments (i+ii+iii) :	10200.00
	i)	Establishment Charges :	10,000.00
	ii)	Legal Charges :	100.00
	iii)	Other Expenses :	100.00
		Total Disbursements Rs	33400.00
4)		Balance carried forward : (Total Realisations -Total Disbursements)	7800.00
		Total (Total Disbursements+ Balance Carried Forward) :	41200.00

Remarks :

Update Submit Cancel

3.3   Field wise Explanation

➢ Bank: This is a drop down field .Bank for which liquidator has been registered will be visible in the drop down.This is a mandatory field. Once bank is selected, following fields will auto populate

- Institution code-Bank alphanumeric institution code
- Registration No-Registation no of bank
- State & Address-State & Address of the bank
- Liquidator -Liquidator's name
- Submission date-Date at which form will be submitted to DICGC.
- Year- Drop down field for selecting year for which quarterly statement has to be submitted. This is a mandatory field.
- Period- There will be four quarters in the drop down.

1 April-June

2 July-August

3 September-November

4 December-February

- Quarter ending-Last date of Quarter chosen from Period field will Auto populate.

Realizations:

1. Balance brought forward: Should be populate based on the Previous Period's Balance Carried Forward
2. Realization out of
    2a) Advances- data entry field. Cannot be negative
    2b) Other Assets= sum of below mentioned field i.e., (i+ii+iii)
    i)   Sale of Investments: Data entry field. Cannot be negative
    ii)   Tangible Assets: Data entry field. Cannot be negative
    iii)   Rent, interest etc.: Data entry field. Cannot be negative
3. Amount received from the Deposit Insurance and Credit Guarantee Corporation in terms of Section 17 of DICGC Act - Value entered by liquidator should be checked against total claim amount disbursed. A popup to be shown to liquidator if value entered does not match. If liquidator still does not change the value, remarks to be added – Amount received from the DICGC as entered by liquidator is …, but claim amount disbursed is

4. Other Receipts–sum of all realization.

➢ Realization Name: alphabetical data entry field
➢ Realization Amount: If realization name is entered, amount should be entered

➢ Add- This will add to one more row to mention liabilities if more than one.
➢ Remove-This will remove the added field.

Total Realization= 1+2+3+4

Disbursements:

1. Payment to Depositors in terms of Section 17 of the Deposit Insurance & Credit Guarantee Corporation Act – data entry field. Cannot be negative.

2. Expenses incurred for the realization of advances & other Corporation- This will add to one more row to mention liabilities if more than one.

3. Other payments if any-This will auto populate the total of 3a +3b.
   3a) To the Deposit Insurance & Credit Guarantee Corporation: data entry field. Cannot be negative
   3b) other payments–(i+ii+iii). This will auto populate.
   i) Establishment charges
   ii) Legal Charges
   iii) Other Expenses
4. Balance carried forward-(Sum of Realizations) – (Sum of disbursements).This field should not be negative.

Total- Sum of values of 1,2,3,4 i.e., total disbursements + balance carried forward. This will auto populate.

Remarks-This is an alphanumeric, non-mandatory field.

Save - If totals of liabilities and assets match, Form will be saved in the same page

Along with updated data with status as saved.

Update - Once saved, using Edit button, form can be opened and edited fields

Can be updated and saved again.

Submit - Submits the Quarterly statement 1 to DICGC& displays confirmation alert
Pop up. If any of the mandatory fields will be missing then it gives
Indication alert pop up to fill the fields.

Cancel -It will not save any data and will close the page.

3.4   Status of Quarterly statement 2

Saved: It indicates that Quarterly statement 2 has been saved

     Click View button to view saved form. Click edit button to open the form

     And perform required steps.

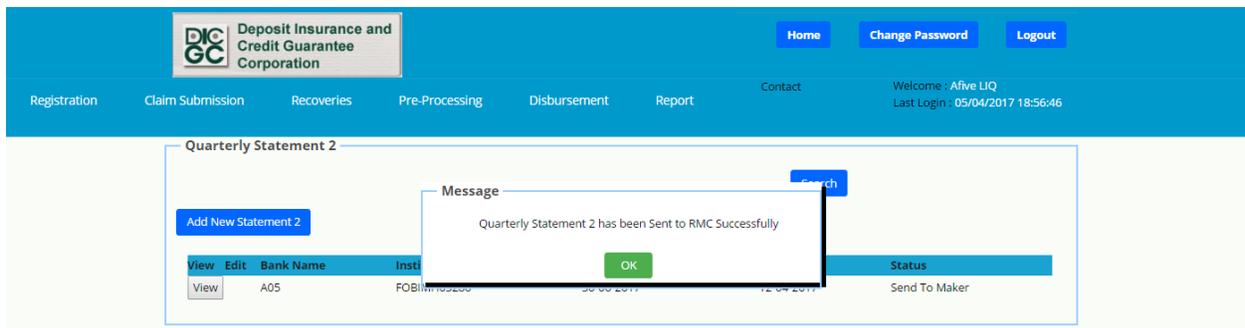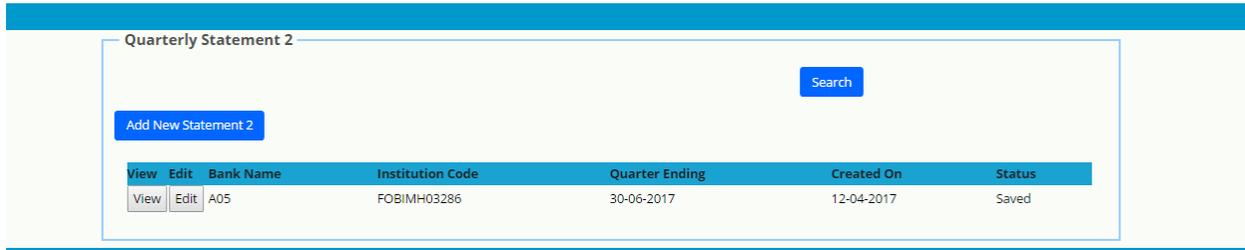Send to maker: It indicates Quarterly statement2 has been submitted by the portal and is in the queue of RMC maker of DICGC.

Send to checker: It indicates that Quarterly statement 2 has been directed to RMC checker by the maker of RMC department of DICGC.

Approved: If RMC department approves the Quarterly statement 2, status will reflect as approved.

Please see below screenshots for example:

3.5   Rejection of Quarterly statement 2 by RMC (DICGC)

If the Quarterly statement 2 submitted by the Liquidator from portal is rejected by DICGC then Quarterly statement 2 will be visible in the queue with the status rejected along with the rejected reason. Please see the screenshot below.

Once the Quarterly statement 1 is rejected, liquidator can view the form by clicking on view button. To see the form as well as rejected reason, click on edit button to open the form. Here Quarterly statement 1 can be updated /Saved or send to checker again.

Upon updating/submitting, current status of the statement can always be seen in the queue.

4   Quarterly Statement 3

4.1   Quarterly statement of quarter ending (Recoveries>Liquidator Quarterly statement 3)

4.2   Recoveries>Liquidator Quarterly Statement 2>Add New Statement 3

Field wise explanation:

9 (a)	Undisbursed amount lying with the bank :	10,000.00
9 (a) (i)	Number of depositors :	10
9 (b)	Undisbursed amount refunded and lying with DICGC :	100,000.00
9 (b) (i)	Number of depositors :	10
10)	Loans & advances outstanding, Investments and balance of fixed & other assets on the date of cancellation of registration as insured bank by DICGC (cut-off-date) :	50,000.00
11)	Assets realised by the liquidator so far- loan recoveries, investment, realised and other receipts (from cut-off date until date of statement) plus cash & bank balances as on cut-off date :	550,000.00
12)	Payments made to secured creditors excluding depositors :	500.00
13)	Payments made to unsecured creditors excluding depositors :	500.00
14)	Amount paid to large depositors (above Rupees one lakh) out of recoveries :	500.00
15)	Other payments made, if any :	500.00
16)	Amount repaid to DICGC out of recovery (excluding 9(b)) :	100.00
17)	Liquid fund available with the liquidator(11 - (7+12+13+14+15+16)) :	448900.00
18)	Liquidation expenses & statutory dues paid and provided for :	1,000.00
19)	Amount lying with liquidator for payment to DICGC as per section 21 of DICGC Act, 1961 & DICGC Regulations(17-18) :	447900.00
20)	Total amount due to large depositors (Net of 14) :	1,000.00

Remarks :

Save Submit Cancel

4.3 Field wise explanation:

- Date-system date will auto populate.
1. Name of Liquidated Bank- bank for which liquidator has been registered will appear in drop down. Mandatory field.
- Institution code
2. Date of de-registration- (cut-off-date) by DICGC. Will auto populate
3. Date of Liquidation-mandatory data entry field.dd/mm/yyyy format.
- Liquidator Name –Auto populate field
- Address, Contact& Address- Auto populate field
- Date of Assuming charge- Mandatory Auto populate field.
- Year- Drop down field for selecting year for which quarterly statement has to be submitted. This is a mandatory field.
  Period- There will be four quarters in the drop down
  ➢ 1 April-June

> ➤ July-August
> ➤ September-November
> ➤ December-February

The quarter for which statement has to be submitted should be chosen from drop

Down. This is a mandatory field.

- Quarter ending- Last date of Quarter chosen from Period field will Auto populate. Quarter ending date cannot be a future date.

4. Amount of Deposits of the bank at the time of cancellation of registration of bank as insured bank by DICGC-Data entry field. Cannot be negative

5. Total Claim sanctioned by DICGC (Including payment to be made from surplus fund- Mandatory Data entry field .Validate value entered by liquidator matches total claim sanctioned amount available in system. Popup message to show if value does not match. If liquidator still does not change the value, remarks to be added that 'Total claim sanctioned amount entered by liquidator is .., and amount is system is …'

6. Total claim released by DICGC- Mandatory Data entry field. Validate value entered by liquidator matches total claim released amount available in system. Popup message to show if value does not match. If liquidator still does not change the value, remarks to be added that 'Total claim released amount entered by liquidator is .., and amount is system is….

7. Total claim amount to be paid from the surplus fund with the bank-This is a mandatory field. Will auto populate the value (5-6).

8. Total claim amount disbursed to depositors- Mandatory Data entry field .Cannot be negative.

   8a) Number of depositors-Mandatory numeric data entry field. Cannot be greater than number of claims which were disbursed via liquidator.

9. Total claim amount remaining undisbursed (5-8) Break up as per 9(a) & 9(b)- Mandatory Data entry field .Cannot be greater than disbursed amount to liquidator .Cannot be negative

   9a) Undisbursed amount lying with the bank- Mandatory Data entry field .Cannot be negative.
   9ai) Number of depositors- Mandatory numeric data entry field. Cannot be greater than number of claims which were disbursed via liquidator.

9b) Undisbursed amount refunded and lying with DICGC- Mandatory Data entry field. Validate value entered by liquidator matches total undisbursed amount refunded amount available in system. Popup message to show if value does not match. If liquidator still does not change the value, remarks to be added that 'Total undisbursed amount entered by liquidator is .., and amount is system is …

9bi) Number of depositors-Mandatory numeric data entry field.

10. Loans & advances outstanding, Investments and balance of fixed & other assets on the date of cancellation of registration as insured bank by DICGC (cut-off date)- Mandatory Data entry field. Cannot be negative.

11. Assets realized by the liquidator so far- loan recoveries, investment, realized and other receipts (from cut-off date of statement) plus cash & bank balances as on cut-off date- Mandatory Data entry field. Cannot be negative.

12. Payments made to secured creditors excluding depositors- Mandatory Data entry field. Cannot be negative.

13. Payments made to unsecured creditors excluding depositors- Mandatory Data entry field. Cannot be negative.

14. Amount paid to large depositors (above Rupees one lakh) out of recoveries- Mandatory Data entry field. Cannot be negative.

15. Other payments made, if any- Mandatory Data entry field. Cannot be negative.

16. Amount repaid to DICGC out of recovery (excluding 9(b) - data entry field. Validate value entered by liquidator matches total recovery amount available in system. Popup message to show if value does not match. If liquidator still does not change the value, remarks to be added that 'Amount entered by liquidator is .., and amount is system is …'

17. Liquid fund available with the liquidator - 11 - (7+12+13+14+15+16).This is a mandatory auto populate field.

18. Liquidation expenses & statutory dues paid and provided for- Mandatory Data entry field. Cannot be negative

19. Amount lying with liquidator for payment to DICGC as per section 21 of DICGC Act, 1961 & DICGC Regulations- (17-18) Mandatory auto populate field.

20. Total amount due to large depositors (Net of 14) - Mandatory Data entry field. Cannot be negative

4.4   Status of Quarterly Statement 3

➢ Saved-It indicates that Quarterly statement 3 has been saved .Click View button to view saved form. Click edit button to open the form and perform
➢ Send To Maker –It indicates Quarterly statement3 has been submitted by the portal and is in the queue of RMC maker of DICGC.
➢ Send to Checker-It indicates that Quarterly statement 3 has been directed to RMC checker by the maker of RMC department of DICGC.
➢ Approved - If RMC department approves the Quarterly statement 3, status will reflect as approved.

Please see below screenshots:

4.5   Rejection by RMC (DICGC)

If the Quarterly statement 3 submitted by the Liquidator from portal is rejected by DICGC then Quarterly statement 3 will be visible in the queue with the status rejected along with the rejected reason. Please see the screenshot below.

Once the Quarterly statement 3 is rejected, liquidator can view by clicking on view button To see the form as well as rejected reason or click on edit button to open the form. Here Quarterly statement 3 can be updated /Saved or send to checker again.

Upon updating/submitting, current status of the statement can always be seen in the Queue.

5   Liquidator Remittance of realized funds

5.1   Remittance of Realised fund screen.

Navigation:

Once Liquidator submits all the three Quarterly statement of a particular year, DICGC will approve the scrutiny form and based on the statements, Liquidator will receive a mail From DICGC if any funds realised by liquidator has to be remitted.

Email will be marked to the Liquidator's registered Email id with DICGC along with a cc to RMC department of DICGC.After clicking on Add new Realised fund, above screen will appear. Select bank name from the drop down. Institution code, registration No and State field will auto populate.

5.2   Field level explanation
  - Bank Name: Bank name for which Liquidator has been registered by DICGC.
  - Institution Code: Alphanumeric code of the bank as per DICGC. Auto populate field.
  - Registration Number: Alphanumeric code of the bank as per DICGC. Auto populate field.
  - State: Auto populate
  - Remittance amount: This is a data entry field which cannot be negative. Mandatory.
  - Remittance date: Date at which remittance is made to DICGC. Cannot be future date than system date. Mandatory.

- ➢ Purpose of payment- This will be a drop down box from which reason needs to be chosen as "Remittance of realised fund". Mandatory.
- ➢ Payment bank: Bank through which remittance is done needs to be chosen from drop down. Mandatory.
- ➢ Payment mode: Remittance can be made through NEFT/RTGS.
- ➢ UTR No: Transaction no of NEFT/RTGS .Mandatory

Upload file-

Browse& Add Documents: This buttons are to select & upload the required file

- • The system supported file formats are "pdf, xls, xlsx"

If we try to upload files other than this mentioned format, then system throws validation alert pop up

- • The File size limit is 3 MB. If we try to upload files more than this size then system throws validation alert pop up.
- • **Save**: saves the page & displays success confirmation alert pop up message. Once saved, the statement comes in the queue with Saved status.
  Clicking edit button, statement can be open and edited or submitted.

- • **Cancel**: Just closes the page without any changes.

- • **Submit:** It submits the statement to DICGC.

If any of the mandatory fields are missing then it gives indication alert pop up to fill the field

Saved form will be visible in queue. Click Edit to open the form and save/ submit.

Add New Realized Funds						
View	**Edit**	**Bank Name**	**Institution Code**	**Registration No**	**File**	**Created On**	**Status**
View	Edit	A05	FOBIMH03286	987456321	View File	13-04-2017	Saved

Liquidator Remittance of Realized Funds - Search

Bank Name : *   A05 ▼   Institution Code : *   FOBIMH03286

Registration Number : *   987456321   State :   Maharashtra

Liquidator Remittance of Realized Funds

Remittance Amount : *   10000.00   Remittance Date : *   13-04-2017

Purpose Of Payment : *   Remittance of Realized Funds ▼   Payment Bank : *   ICICI ▼

Payment Mode : *   NEFT ▼   UTR Number : *   gjhgj76786786787678687

Upload File : *   [Browse...]   (File size limit(3 MB) and File types/formats like .Pdf,.xls,.xlsx)   [Upload]

Uploaded File: 13042017_123715_Horizon_Treasury_Integration_with_RBI_EKuber_Document.pdf

[Update] [Submit] [Cancel]

DICGC Deposit Insurance and Credit Guarantee Corporation

[Home] [Change Password] [Logout]

Registration   Claim Submission   Recoveries   Pre-Processing   Disbursement   Report   Contact   Welcome : Afive LIQ   Last Login : 13/04/2017 12:14:06

Remittance of Realized Funds   **Message**

Remittance Details has been Send To RMC Successfully

[OK]

[Search]

[Add New Realized Funds]

View	**Edit**	**Bank Name**	**Institution Code**	**Registration No**	**File**	**Created On**	**Status**
View		A05	FOBIMH03286	987456321	View File	13-04-2017	Send To Maker

5.3   Rejection /Approval of Realised Fund by RMC

If the same is rejected by the RMC, DICGC, the same remittance of realised fund form will appear as rejected in the queue in Liquidator portal.

> ➢ View- Click View to open the statement. Rejected reason will be visible in the bottom
> ➢ Edit – Click edit to open the statement and after making required changes as per the rejected reason, same can be Saved/Submitted to DICGC by liquidator.

Remittance of Realized Funds

View	Edit	Bank Name	Institution Code	Registration No	File	Created On	Status
View	Edit	A05	FOBIMH03286	987456321	View File	13-04-2017	Rejected: Rejected by maker an...

Liquidator Remittance of Realized Funds - Search

Bank Name : * A05	Institution Code : * FOBIMH03286
Registration Number : * 987456321	State : Maharashtra

Liquidator Remittance of Realized Funds

Remittance Amount : * 10000.00	Remittance Date : * 13-04-2017
Purpose Of Payment : * Remittance of Realized Funds	Payment Bank : * ICICI
Payment Mode : * NEFT	UTR Number : * gjhgj76786786787678687

Upload File : * Choose File No file chosen (File size limit(3 MB) and File types/formats like .Pdf,.xls,.xlsx) Upload

Uploaded File: 13042017_123715_Horizon_Treasury_Integration_with_RBI_EKuber_Document.pdf

Rejected Reason : Rejected by maker and checker OF RMC

Update   Submit   Cancel

Approved by DICGC:

Remittance of realized fund once approved by DICGC will be visible in the queue with the status approved. Please see the screen shot below.

Remittance of Realized Funds

View	Edit	Bank Name	Institution Code	Registration No	File	Created On	Status
View		A05	FOBIMH03286	987456321	View File	13-04-2017	Approved